



बढ़ते प्रतिभा पूल की बदौलत भारतीय क्रिकेट एक 'बेहद शक्तिशाली' ताकत के रूप में विकसित हुआ है और यह अब देश के सुदूर कोने तक भी फैल गया है। भारतीय क्रिकेट के बड़े हुए स्तर का उदाहरण घरेलू क्रिकेट से दिया।

— राहुल द्रविड़

पूर्व भारतीय दिग्गज खिलाड़ी, भारतीय क्रिकेट का उज्ज्वल भविष्य बताया।



खेल जगत

आज का खिलाड़ी



शुभमन गिल

भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज शुभमन गिल 8 सितंबर को अपना 25वां जन्मदिन मना रहे हैं। काफी कम समय में शुभमन गिल ने भारतीय क्रिकेट में खुद को स्थापित किया है और वो क्रिकेट के तीनों प्रारूपों में टीम इंडिया के रेगुलर खिलाड़ी बन चुके हैं। गिल इस समय भारतीय टी20

क्या आप जानते हैं?... एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में अभी तक ऐसा क्रिकेटर नहीं हुआ है जिसने नंबर 1 से 11 तक हर क्रम पर बल्लेबाजी की हो।

और वनडे टीम के उपकप्तान भी हैं और उन्हें टीम इंडिया के भविष्य के कप्तान के रूप में भी देखा जा रहा है। शुभमन गिल ने आईपीएल 2024 में गुजरात टाइटंस की कप्तानी भी की थी। वो इस समय वर्ल्ड क्रिकेट में वनडे प्रारूप में दोहरा शतक लगाने वाले दुनिया के सबसे युवा बल्लेबाज हैं।

जैवलिन थ्रो में भारत के नवदीप का सिल्वर बदला गोल्ड मेडल में

ईरानी खिलाड़ी के डिसक्वालीफाई होने का मिला फायदा

पेरिस, 8 सितम्बर। पेरिस पैरालिंपिक में शनिवार को पुरुषों की भाला फेंक एफ41 फाइनल में ईरान के बेत सयाह सादेज को अयोग्य घोषित किए जाने के बाद भारत के नवदीप सिंह के सिल्वर मेडल को गोल्ड में बदल दिया गया। ये पुरुषों की भाला एफ41 श्रेणी में भारत का पहला गोल्ड मेडल पदक है। इसी के साथ भारत के 7 गोल्ड मेडल के साथ कुल 29 पदक हो गए हैं।

नवदीप का पहला प्रयास फाउल रहा लेकिन उन्होंने दूसरे प्रयास में 46.39 मीटर के थ्रो के साथ शानदार वापसी की। तीन साल पहले तोक्यो पैरालिंपिक में चौथे स्थान पर रहने वाले नवदीप के तीसरे थ्रो ने स्टेडियम को रोमांचित कर दिया। उन्होंने 47.32 मीटर के विशाल थ्रो के साथ पैरालिंपिक रिकॉर्ड को तोड़ दिया और बढ़त बना ली।

सादेज ने हालांकि अपने पांचवें प्रयास में भारतीय खिलाड़ी से बेहतर प्रदर्शन करते हुए 47.64 मीटर का रिकॉर्ड थ्रो किया।



फाइनल की समाप्ति के कुछ समय बाद ईरान के खिलाड़ी को अयोग्य घोषित कर दिया गया, जिसके कारण नवदीप ने शीर्ष स्थान हासिल किया। सयाह को बार-बार आपत्तिजनक झंडा प्रदर्शित करने के लिए अयोग्य घोषित किया गया। वह अपनी हलकों से स्वर्ण पदक गवां बैठे। अंतरराष्ट्रीय पैरालिंपिक समिति के नियम एथलीटों को आयोजन में कोई भी राजनीतिक संकेत देने से रोकते हैं और सयाह को गैर-खेल/अनुचित आचरण के लिए अंतिम परिणामों से बाहर कर दिया गया था।

इस स्पर्धा का रजत विश्व रिकॉर्ड धारक चीन के सन पंगजियांग (44.72) के नाम रहा जबकि इराक के मुखाइलावी वाइल्डन (40.46) ने कांस्य पदक जीता। एफ41 श्रेणी छोटे कद के एथलीटों के लिए है। नवदीप ने इस स्वर्ण पदक के साथ तोक्यो खेलों में चौथे स्थान पर रहने की कसक को दूर की। आयकर विभाग में निरीक्षक के पद पर तैनात नवदीप ने 2017 में खेल में आने के बाद से राष्ट्रीय स्तर पर पांच बार पदक जीते हैं। उन्होंने इस साल की शुरुआत में पैरा-विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता था।

एरिना सबालेंका ने जीता यूएस ओपन

अमेरिका की जेसिका पेगुला को 7-5, 7-5 से हराया



सबालेंका का यह ओवरऑल 5वां ग्रैंड स्लैम टाइटल है। वे इसी साल ऑस्ट्रेलिया ओपन 2024, 2023 में भी चैंपियन बनी थीं। वहीं, डबल्स कैटेगरी में 2021 में ऑस्ट्रेलियन ओपन और 2019 में यूएस ओपन का खिताब जीता था। मेंस सिंगल्स

न्यूयॉर्क, 8 सितम्बर। बेलारूसी स्टाटर एरिना सबालेंका ने यूएस ओपन टेनिस चैंपियनशिप का खिताब जीत लिया है। दूसरी वरीयाटा प्राप्त सबालेंका ने अमेरिका की जेसिका पेगुला को 7-5, 7-5 से हराया। यह मुकाबला एक घंटे 53 मिनट तक चला। 26 साल की सबालेंका पहली बार साल के आखिरी ग्रैंड स्लैम की सिंगल्स कैटेगरी में चैंपियन बनी हैं।

कैटेगरी का फाइनल वर्ल्ड नंबर-1 इटली के जैनिफ सिनर और अमेरिका के टेलर फ्रिट्ज के बीच खेला जाएगा। सिनर ने ब्रिटेन के ड्रैपर को 7-5, 7-6, 6-2 से हराते हुए फाइनल में जगह बनाई, जबकि अमेरिकी प्लेयर फ्रिट्ज ने सेमीफाइनल में अपने पुराने दोस्त और हमवतन फ्रांसिस टियाफो को 4-6, 7-5, 4-6, 6-4, 6-1 से हराया। फ्रिट्ज 18 साल बाद ओपन मेंस सिंगल्स के फाइनल में पहुंचने वाले पहले अमेरिकी खिलाड़ी बने हैं। उनसे पहले 2006 में एंडी रॉडिक ने यह कारनामा किया था।

एथलीड गोवा चैंलेंजर्स ने जीता इंडियन ऑपल यूटीटी का खिताब

चेन्नई, 7 सितंबर। हरमीत देसाई और यांजी लियू की अग्रुआई में एथलीड गोवा चैंलेंजर्स ने शनिवार को इंडियन ऑपल अल्टीमेट टेबल टेनिस 2024 के रोमांचक फाइनल में 2018 की चैंपियन दम्ब दिल्ली टीटीसी को 8-2 से हराकर अपने खिताब को बरकरार रख कर इतिहास रच दिया। जवाहरलाल नेहरू इंडोर स्टेडियम में हरमीत और यांजी ने मिश्रित युगल में जीत हासिल करने से पहले अपने-अपने एकल मैच जीते और एथलीड गोवा चैंलेंजर्स के लगातार दूसरे खिताब की ओर इतिहासिक कदम बढ़ाने में मदद की। हरमीत को टाई का भारतीय खिलाड़ी चुना गया, जबकि यांजी को टाई का विजयी खिलाड़ी चुना गया। पूरे सीजन में अपराजित रहने वाली यांजी ने लीग की सबसे मूल्यवान (एमवीपी) महिला खिलाड़ी का खिताब भी अपने नाम किया। साथियायन ज्ञानसेकरन को पुरुषों में एमवीपी चुना गया।

राजधानी

डॉ. दीप नारायण पाण्डेय लिख रहे हैं 'आयुर्वेद का अद्वितीय ग्रन्थ 'यजुर्विदतन्त्र'

इस ग्रंथ के लेखन और प्रतिष्ठित प्रकाशन द्वारा छापने में लगभग 2 वर्षों का समय लगेगा

जयपुर। राजस्थान के पूर्व प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख डॉ. दीप नारायण पाण्डेय इन दिनों आयुर्वेद के अद्वितीय ग्रन्थ 'यजुर्विदतन्त्र' का लेखन कर रहे हैं। यह संहिता स्वास्थ्य की रक्षा हेतु आहार, विहार, सद्गुण, स्वस्थवृत्त, रसायन, प्रसन्नताविज्ञान, प्रज्ञाविज्ञान, जराविज्ञान जैसे महत्वपूर्ण अनेक विषयों पर केंद्रित है। इसके माध्यम से, आयुर्वेदिक विज्ञान के गूढ़ रहस्यों को प्रस्तुत करने का प्रयास किया जा रहा है ताकि यह जन-सामान्य के लिए भी सुलभ और समझने योग्य हो।

डॉ. पाण्डेय, जो आयुष मंत्रालय, भारत सरकार की कई महत्वपूर्ण कमेटियों के सदस्य भी हैं, अपने दीर्घकालिक अनुभव और आयुर्वेद के गहन अध्ययन को इस ग्रंथ में समाहित किया है। 'यजुर्विदतन्त्र' के लेखन का उद्देश्य न केवल आयुर्वेद के सिद्धांतों का प्रचार-प्रसार करना है, बल्कि इसके पीछे वैज्ञानिक दृष्टिकोण को भी उजागर करना है। यह ग्रंथ विभिन्न बीमारियों, क्रोरोकथाम और स्वस्थ जीवन जीने के सिद्धांतों और उपयोग-योग्य ज्ञानको प्रतिपादित है। इसमें आहार, विहार, सद्गुण, और स्वस्थवृत्त जैसे विषयों को विशेष रूप से महत्व दिया गया है, जिनका पालन करने से न केवल शरीर की रक्षा होती है, बल्कि मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य को भी बढ़ावा मिलता है। 'यजुर्विदतन्त्र' ग्रंथ में विशेष रूप

से आहार-विहार के महत्व को रेखांकित किया गया है। आहार (भोजन) को रोमों से बचाव का मूल माना गया है, और इसके माध्यम से न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बल्कि मानसिक और भावनात्मक संतुलन को भी प्राप्त किया जा सकता है। यजुर्विदतन्त्र में बताया गया है कि किस प्रकार आहार को संतुलित और प्राकृतिक बनाए रखकर विभिन्न रोगों से बचाव किया जा सकता है।

विहार (जीवन शैली) पर चर्चा करते हुए, ग्रंथ में शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए उचित दिनचर्या, योग, और ध्यान की महत्ता को रेखांकित किया गया है। इसके अलावा, सद्गुण (अच्छे आचरण) और स्वस्थवृत्त (स्वास्थ्यप्रद व्यवहार) पर आधुनिक जीवन जीने के तरीकों का भी विस्तार से वर्णन किया गया है।

रसायन, प्रसन्नताविज्ञान, प्रज्ञाविज्ञान, जराविज्ञान, वृक्षायुर्वेद जैसे विषयों को भी इस संहिता में समाहित किया गया है। प्रज्ञाविज्ञान और जराविज्ञान में बुद्धि, स्मरणशक्ति, और वृद्धावस्था के दौरान स्वास्थ्य को बनाए रखने के उपायों का विस्तार से उल्लेख किया गया है।



डॉ. दीप नारायण पाण्डेय

इस ग्रंथ के लेखन और प्रतिष्ठित प्रकाशन द्वारा छापने में लगभग 2 वर्षों का समय लगेगा। इसे अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार तैयार किया जा रहा है और इसके प्रकाशन से पहले, 'यजुर्विदतन्त्र' का देश-विदेश के 1200 से अधिक आयुर्वेदिक चिकित्सकों, विद्वानों, और शोधकर्ताओं से ओपन पीयर-रिव्यू (समीक्षा) किया जा रहा है। यह समीक्षा प्रक्रिया सुनिश्चित करेगी कि 'यजुर्विदतन्त्र' में प्रस्तुत जानकारी पूर्णतः सही और विश्वसनीय है। इसमें आयुर्वेद की प्राचीन विद्या को पुनर्जीवित करने और इसके महत्व को व्यापक स्तर पर फैलाना है। यह ग्रंथ न केवल चिकित्सकों और शोधकर्ताओं के लिए, बल्कि आम जनता के लिए भी एक मूल्यवान संसाधन सिद्ध होगा।

डॉ. दीप नारायण पाण्डेय के इस प्रयास न केवल आयुर्वेद के प्रति लोगों की जागरूकता बढ़ाएगा, बल्कि

■ इसे अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार तैयार किया जा रहा है और इसके प्रकाशन से पहले, 'यजुर्विदतन्त्र' का देश-विदेश के 1200 से अधिक आयुर्वेदिक चिकित्सकों, विद्वानों, और शोधकर्ताओं से ओपन पीयर-रिव्यू (समीक्षा) कराया जा रहा है।

आधुनिक विज्ञान की कसौटी पर भी खरा उतरे।

'यजुर्विदतन्त्र' के विशेष आकर्षण में से एक 'याज्वाल्किषा त्रिवेणी' व्याख्या है। इस व्याख्या से समझाया जाएगा, जिससे पाठक आसानी से समझ सकें कि आयुर्वेद के सिद्धांतों को अपने दैनिक जीवन में कैसे लागू किया जा सकता है। 'यजुर्विदतन्त्र' के प्रकाशन से आयुर्वेद की प्रतिष्ठा जन-सामान्य में और बढ़ेगी। इस ग्रंथ के माध्यम से, आयुर्वेद के प्राचीन विज्ञान को आधुनिक संदर्भ में पुनः स्थापित किया जाएगा। यह विज्ञान केवल भारत में ही नहीं, बल्कि विश्वभर में स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त कर सकेगा।

डॉ. दीप नारायण पाण्डेय का यह प्रयास न केवल आयुर्वेद के प्रति लोगों की जागरूकता बढ़ाएगा, बल्कि

आयुर्वेदिक विज्ञान को एक नई दिशा और दृष्टिकोण भी प्रदान करेगा। आयुर्वेद के इस नए ग्रंथ के माध्यम से, सभी के लिए स्वास्थ्य की एक समग्र दृष्टि प्रस्तुत की जाएगी, जो शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य को एक साथ संतुलित करती है। 'यजुर्विदतन्त्र' के माध्यम से, डॉ. पाण्डेय का लक्ष्य जन-सामान्य के मध्य आयुर्वेद की प्राचीन विद्या को पुनर्जीवित करना और इसके महत्व को व्यापक स्तर पर फैलाना है। यह ग्रंथ न केवल चिकित्सकों और शोधकर्ताओं के लिए, बल्कि आम जनता के लिए भी एक मूल्यवान संसाधन सिद्ध होगा।

डॉ. दीप नारायण पाण्डेय के इस प्रयास से आयुर्वेद की प्राचीन और समृद्ध परंपराएं पुनः जीवित होंगी, और स्वास्थ्य के क्षेत्र में नई दिशाएं और दृष्टिकोण विकसित होंगे। इस ग्रंथ के माध्यम से, आयुर्वेद के सिद्धांतों को जन-जन तक पहुंचाने और आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों के साथ समन्वय स्थापित करने का मार्ग प्रशस्त होगा।

अखिल भारतीय हरियाणा ब्राह्मण महासभा का प्रतिभा सम्मान समारोह 15 को

जयपुर। अखिल भारतीय हरियाणा गौड़ ब्राह्मण समाज का प्रतिभा सम्मान समारोह एवं सामूहिक गौठ कार्यक्रम रविवार 15 सितम्बर को श्री सिद्धपीठ बैनाड़ा धाम बस्ती में आयोजित होगा। सम्मान समारोह में इस वर्ष सैकेण्डरी से स्नातकोत्तर तक 85 प्रतिशत अंक लाने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा। रविवार को अखिल भारतीय हरियाणा गौड़ ब्राह्मण समाज धर्मशाला में आयोजित बैठक आयोजित हुई।

समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष बिरधी चन्द शर्मा ने बताया कि इस वर्ष नीट एवं आईआईटी में सलेक्ट होने वाले छात्र-छात्राओं का भी सम्मान किया जाएगा। साथ ही सितंबर 2023 से अप्रैल 2024 तक समस्त राजकीय सेवाओं में चयनित होने वाली सभी प्रतिभाओं का सम्मान किया जाएगा। राष्ट्रीय महामंत्री सीताराम अलियाबाद ने बताया कि इस कार्यक्रम में देशभर से लगभग 25 हजार समाज बंधुओं के भाग लेने का लक्ष्य रखा गया है। राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष शंभुलाल कुईवाल्ला ने बताया कि प्रतिभा सम्मान समारोह को सफल बनाने के लिए कई धामशाहों ने सहयोग राशि की घोषणा की। बैठक में राजस्थान प्रदेशाध्यक्ष रामनारायण कोंकल्ला, राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष हनुमान नायला, बाबूलाल खेड़ी, आदि समाज बंधु मौजूद रहे।

नाहरगढ़ से लापता युवक की बरामदगी के लिए हाईकोर्ट में याचिका

जयपुर। नाहरगढ़ की पहलियों से लापता हुए युवक राहुल पारशर की बरामदगी को लेकर उसके पिता ने हाईकोर्ट में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर की है। जस्टिस इंद्रजीत सिंह और जस्टिस भुवन गोयल की खंडपीठ मामले में सोमवार को सुनवाई करेगी।

राहुल पारशर के पिता सुरेश चंद्र शर्मा की ओर से दायर इस याचिका में कहा गया कि उसके बेटे को किसी ने कैद कर लिया है। ऐसे में उसकी जान को खतरा है। इसलिए पुलिस प्रशासन को निर्देश दिए जाए कि उसे तलाश कर कोर्ट में पेश करे। याचिका में पुलिस पुलिस को लापरावाही की बात भी कही गई है।

कलैक्टर ने सांगानेर में लिये विकास कार्य का जायजा



जिला कलैक्टर डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी ने रविवार को सांगानेर में विकास कार्यों का जायजा लिया। कलैक्टर ने सैटेलाइट अस्पताल की भूमि का मौका मुआयना किया।

जयपुर। जिला कलैक्टर डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी ने रविवार को सांगानेर में विकास कार्यों का जायजा लिया। कलैक्टर ने सैटेलाइट अस्पताल की भूमि का मौका मुआयना किया। निरीक्षण के दौरान डॉ. सोनी ने संबंधित मुख्य अभियंता को जल्द से जल्द सैटेलाइट हॉस्पिटल का निर्माण कार्य शुरू करने के लिए निर्देशित किया। कलैक्टर ने बताया कि सैटेलाइट हॉस्पिटल के लिए जयपुर विकास प्राधिकरण ने 25142 वर्ग मीटर भूमि का पट्टा जारी कर दिया है। जिला कलैक्टर ने मुख्यमंत्री कैम्प

■ प्रस्तावित सैटेलाइट अस्पताल का निर्माण कार्य शुरू करने के निर्देश दिए

कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ पिलाकर युवती से दुष्कर्म

जयपुर। सिंधी कैम्प थाना इलाके में एक होटल में युवती से दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। पीड़िता का आरोप है कि आरोपित ने उसे नौकरी लगाने के बहाने उसे जयपुर को नौकरी लगाने के बहाने उसे जयपुर के सिंधीकैम्प स्थित कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर बेहोशी की हालत में उसके साथ दुष्कर्म किया। किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता ने आरोपित के खिलाफ थाने में मामला दर्ज करवाया।

पुलिस ने बताया कि हरियाणा निवासी 25 वर्षीय युवती ने मामला दर्ज करवाया है कि पिछले कुछ समय पहले उसका प्रशान्त नाम के लड़के से सम्पर्क हुआ था। बातचीत के दौरान आरोपित ने उसे अच्छी सैलेरी पर नौकरी लगाने का झांसा दिया। आरोप है कि बातों के जाल में आरोपित ने उसे नौकरी लगाने के विश्वास में फंसा कर नौकरी लगाने के बहाने उसे जयपुर के सिंधीकैम्प स्थित होटल में मिलने बुलाया। नौकरी की जरूरत के चलते वह बताए होटल में मिलने पहुंच गई।

मिलने जाने पर आरोपित ने उसके कोल्ड ड्रिंक पीने का ऑफर किया। कोल्ड ड्रिंक में नशा मिला होने के कारण वह बेहोशी छाने लगी। बेहोशी की हालत में आरोपी ने उसके साथ दुष्कर्म किया। होश आने पर विरोध करने पर किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी।